मुमताज ने छोड़ी वकालात, कर रहे हैं अमरूद की खेती

सालाना कमाई 22-24 लाख

अमरूद से तामिल हुआ आय का दाव

एडवोकेट मुमताज खान, काफी सालों तक मुकदमों में पैरवी की। फिर, अमरूद की बागवानी का शौक ऐसा चढ़ा की इसी के होकर रह गए। अपने परिवार सहित बच्चों की तालिम का खर्च भी अमरूद की खेती से ही मुक्कमल किया। इनका पुत्र बतौर कृषि पर्यवेक्षक किसानों की सेवा में जुटा हुआ है। बता दें कि किसान मुमताज 10 बीघा क्षेत्र में अमरूद की खेती से 11 लाख की आय ले रहे है। वहीं, किसानों को अमरूद के पौधें भी उपलब्ध करवा रहे है।

मुमताज खान
मो. : 9694053545

दौंदरी, सवाईमाधोपुर। शौक बुरा भी है और अच्छा भी। निर्भर करता है व्यक्ति की फितरत पर कि कौनसा शौक पाला जाए। इन्हीं शौकीनों में से एक है मुमताज खान। जो पहले अदालत में मुकदमों की पैरवी करते थे। लेकिन, अब अमरूद उत्पादन के शौक के चलते वकालत को पूरी तरह से छोड़ चुके है। बता दें कि एडवोकेट मुमताज अमरूद की खेती और नर्सरी से सालाना 20-22 लाख रूपए की आय ले रहे है। एडवोकेट से किसान बनने वाले मुमताज ने हलधर टाइम्स को बताया कि मेरे पास 20 बीघा कृषि भूमि है। पिताजी ने मुझे पढ़ाने के लिए खेत में रात-दिन एक किया। पिताजी की मेहनत को जहन में रखकर मैंने गांव का पहला वकील बनने का गौरव हासिल किया। अदालत में काफी मुकदमों की पैरवी भी की। लेकिन, क्षेत्र में अमरूद की खेती का अंकुर फूटने के बाद मै अपने को रोक नहीं पाया। उस समय कंधो पर जिम्मेदारियां कम थी। इसी के चलते वकालत छोड़कर अमरूद की खेती से जुड़ गया। दो-चार बीघा से अमरूद तदबीर बदलने की शुरूआत हुई। जो अब 11 बीघा तक पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि पहले सिंचाई के लिए कुआं था। अमरूद की खेती से हुई आय के बाद ट्यूबवैल खुदवाया है। परम्परागत फसलों में सरसों, गेहूं, तिल, बाजरा, मूंग आदि का उत्पादन लेता हूँ। पहले जहां इन फसलों के उत्पादन से सालाना 50 हजार की आय मिलती थी, वह अब दोगुना हो चुकी है।

अमरूद से 11 लाख

उन्होंने बताया कि 10 बीघा क्षेत्र में हो रही अमरूद की खेती से इस साल 11 लाख रूपए की आय मिली है। सच कहूं तो अमरूद से मिली आय से ही बच्चों की तालिम का खर्च मैंने उठाया है। आपको बता दें कि इनका पुत्र इमरान सवाईमाधोपुर जिले में कृषि पर्यवेक्षक के रूप में किसानों की सेवा में जुटा है।

नर्सरी से 13 लाख

उन्होंने बताया कि अमरूद की खेती में सफलता मिलने के बाद पिछले तीन साल से अमरूद के पौधे तैयार कर रहा हूँ। इस साल 1.30 लाख पौधे गोला बर्फखान किस्म के तैयार किए है। अमरूद से ज्यादा नर्सरी संचालन मुनाफेकारी साबित हो रहा है। क्षेत्र में निमेटॉड की समस्या को देखते हुए वैज्ञानिक तकनीक से अमरूद के पौधे तैयार करता हूँ। मृदा सौरीकरण के साथ नीम केक का उपयोग करता हूँ। इससे पौधें निमेटॉड से मुक्त रहते है। नर्सरी से सालाना 12-13 लाख रूपए की आय मिल रही है। पशुधन में एक भैंस मेरे पास है।